आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 10.07.2026 समय : 1905

<><><><><><><><>

1. सीमावर्ती क्षेत्रों में हर चुनौती का प्रभावी मुकाबला करने के लिए भारत सरकार ने बनाई व्यापक रणनीति। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा भारत–म्यांमार सीमा पर इक्कतीस हजार करोड़ रुपये की लागत से बाड़ बनाई जा रही है।
2. विज्ञान केन्द्र कल सत्ततरवें वन महोत्सव समारोह में पर्यावरण सरंक्षण के प्रति जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन करेगा।
3. बाराटांग में खारेपन से प्रभावित भूमि पर जलवायु अनुकूल धान की खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रशिक्षित किया जाएगा।
4. सेवा भारती द्वीपों के युवाओं के लिए कैरियर मार्गदर्शन और प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग कार्यक्रम शुरू करेगा।

<><><><><><><><>

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि सुरक्षित सीमा, समृद्ध सीमावर्ती क्षेत्र और जागरुक समाज मिलकर देश को सुरक्षित बना सकते हैं। जीवंत ग्राम कार्यक्रम के अंतर्गत पलायन रोकने, रोजगार सृजित करने और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का शत प्रतिशत कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार देश को पूरी तरह से घुसपैठ मुक्त बनाने के लिए एक मजबूत व्यवस्था का निर्माण कर रही है। नई दिल्ली में सीमावर्ती जिलों के पुलिस अधीक्षकों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने वैज्ञानिक रूप से सीमावर्ती बुनियादी ढाँचे में चार सौ प्रतिशत की वृद्धि की है। सरकार सोलह सौ किलोमीटर से अधिक लंबी भारत–म्यांमार सीमा पर इक्कतीस हजार करोड़ रुपये की लागत से बाड़ लगा रही है।

गृह मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों को सुरक्षित और रहने योग्य बनाते हुए, परोक्ष युद्ध, अवैध घुसपैठ, कट्टरपंथ, मादक पदार्थों की तस्करी, ड्रोन से संबंधित खतरों और जनसांख्यिकीय परिवर्तनों जैसी अन्य सुरक्षा चुनौतियों को रोकना है। इस सम्मेलन में जम्मू–कश्मीर, पंजाब, उत्तराखंड, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों सहित सीमावर्ती राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस अधीक्षकों ने भाग लिया।

<><><><><><><><>

पर्यावरण एवं वन विभाग की वन (विस्तार एवं प्रचार प्रभाग) द्वारा सत्ततरवें वन महोत्सव–2026 का मुख्य समारोह कल सुबह नौ बजे से विज्ञान केन्द्र, कार्बिन्स कोव रोड, श्री विजयपुरम में आयोजित किया जाएगा। समारोह के दौरान वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण विषयक व्याख्यान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां तथा जनजागरुकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन गतिविधियों का उद्देश्य लोगों में वनों के महत्व तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता बढ़ाना है। कार्यक्रम में अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के प्रधान मुख्य वन संरक्षक, संजय कुमार सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

<><><><><><><><>

केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान, श्री विजयपुरम ने कृषि विज्ञान केंद्र, उत्तर एवं मध्य अंडमान तथा कृषि विभाग के सहयोग से कल बाराटांग के आड़ाजीग ग्राम पंचायत में 'खारेपन से प्रभावित मिट्टी में जलवायु–अनुकूल धान की खेती' विषय पर जागरुकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में लगभग पैंतालीस किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में खारेपन से प्रभावित क्षेत्रों के लिए जलवायु–अनुकूल धान उत्पादन तकनीकों, लवण–सहिष्णु धान की किस्मों की खेती, नर्सरी प्रबंधन, पोषक तत्व एवं जल प्रबंधन, समेकित कीट प्रबंधन तथा अन्य जलवायु–स्मार्ट कृषि पद्धतियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान संस्थान द्वारा विकसित लवण–सहिष्णु धान की किस्म द्वीप धान–5 के ट्रुथफुली लेबल्ड के बीज 50 किसानों को वितरित की गई। इससे बाराटांग क्षेत्र के लगभग 8 हेक्टेयर खारेपन से प्रभावित निचले धान क्षेत्रों में खेती की जा सकेगी। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के निदेशक डॉ. जय सुंदर के मार्गदर्शन में हुआ। डॉ. पी.के. सिंह पाठ्यक्रम निदेशक, डॉ. वाई. रामकृष्ण तथा कृषि निदेशक डॉ. देबब्रत बसंतिया पाठ्यक्रम समन्वयक रहे। स्थानीय स्तर पर कार्यक्रम का समन्वय कृषि क्षेत्र सहायक सी. मुरुगन ने किया।

<><><><><><><><>

सेवा भारती द्वीपों के युवाओं के लिए करियर मार्गदर्शन एवं प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग कार्यक्रम शुरू करने जा रही है। यह पहल चिन्मय मिशन, वनवासी कल्याण आश्रम और विश्व हिंदू परिषद के सहयोग तथा आकाश ज्ञान केंद्र एवं स्टार कोचिंग के समर्थन से संचालित की जाएगी। कार्यक्रम का उद्देश्य आर्थिक एवं सामाजिक रूप से वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को सरकारी और निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसरों के लिए गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन और किफायती कोचिंग उपलब्ध कराना है। इच्छुक विद्यार्थी ऑनलाइन पंजीकरण कर

सकते हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र 12 जुलाई को सुबह साढ़े दस बजे आकाश ज्ञान केंद्र में आयोजित होगा।

<><><><><><><>

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान , भातू बस्ती ने राष्ट्रीय इनक्यूबेशन कार्यक्रम 2026–27 के तहत कृषि यंत्रीकरण एवं कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार करने वाले भारतीय उद्यमियों और स्टार्टअप्स से आवेदन आमंत्रित किए हैं। संस्थान के अनुसार, यह कार्यक्रम ऐसे नवाचारकर्ताओं के लिए है जिन्होंने कृषि यंत्रीकरण अथवा कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी से संबंधित नवोन्मेषी प्रोटोटाइप या न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद विकसित किए हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य चयनित प्रतिभागियों को तकनीकी परामर्श, इन्क्यूबेशन तथा हैंडहोल्डिंग सहायता प्रदान कर उनके अभिनव व्यावसायिक विचारों को बाज़ार के लिए तैयार और व्यावसायिक रूप से सफल उद्यमों में विकसित करना है। चयनित प्रतिभागियों को दो माह के इन्क्यूबेशन कार्यक्रम में विशेषज्ञों का मार्गदर्शन, तकनीकी सहायता तथा उत्पादों के परिष्करण और व्यावसायीकरण के लिए निरंतर सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। इच्छुक उद्यमी एवं स्टार्टअप्स अट्ठाईस जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए डी. करुणाकरण से दूरभाष संख्या 9433–286–866 पर संपर्क किया जा सकता है।

<><><><><><><>

जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026–27 के विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की श्रेणीवार अनंतिम मेरिट सूची 13 जुलाई को कॉमन कॉलेज एडमिशन पोर्टल पर जारी की जाएगी। ऑनलाइन माध्यम से आवश्यक दस्तावेजों के साथ दावा या आपत्ति महाविद्यालय की ई–मेल आईडी admissionjnrm5431@gmail.com पर 14 से 16 जुलाई तक भेजी जा सकती है। निर्धारित समय–सीमा के बाद प्राप्त किसी भी दावा अथवा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा। अंतिम मेरिट सूची 17 जुलाई को प्रकाशित की जाएगी।

<><><><><><><>

डॉ. बी.आर. अंबेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान ने बी.टेक पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष में लेटरल एंट्री के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए प्रवेश प्रक्रिया का कार्यक्रम जारी किया है। संस्थान के अनुसार लेटरल एंट्री (डिग्री) प्रवेश परीक्षा 30 जुलाई को आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थी विस्तृत पाठ्यक्रम संस्थान की वेबसाइट अथवा एम एस बी टी ई के ई–कंटेंट पोर्टल पर देख सकते हैं।

<><><><><><><><>

चिन्थे रेंज में 17 और 24 जुलाई को फायरिंग अभ्यास किया जाएगा। अभ्यास प्रतिदिन सुबह साढ़े नौ बजे से दोपहर 1 बजे तक और दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा।

<><><><><><><><>